आवधिक पाठ्यक्रम (2019-20)

विषय-हिंदी कक्षा-पंचम

प्रथम सत्र (सितम्बर 2019 तक)		
विषयवस्तु	**अधिगम संप्राप्तियाँ**	**क्रियाकलाप**
पाठ 1– राख की रस्सी (कहानी) :– आदर्श वाचन, श्रुतलेख, कठिन शब्दार्थ, प्रश्नोत्तर। **व्याकरण :–** नुक्तेवाले शब्द, संवाद लेखन, संज्ञा व उसके भेद (अवधारणा व अभ्यास), पर्यायवाची। **पत्र :–** मित्र को कक्षा में प्रथम आने पर बधाई पत्र। *** दुनिया की छत (मौन वाचन)**	-सुनी अथवा पढ़ी रचनाओं (हास्य, साहसिक, सामाजिक आदि विषयों पर आधारित कहानी, कविता आदि) की विषय-वस्तु,घटनाओं,चित्रों और पात्रों, शीर्षक आदि के बारे में बातचीत करते हैं/प्रश्न पूछते हैं/अपनी स्वतंत्र टिप्पणी देते हैं/अपनी बात के लिए तर्क देते हैं/निष्कर्ष निकालते हैं।	1. होशियारी पर कोई अन्य कहानी बनाएँ। 2. विभिन्न अनाजों से बचने वाले पकवानों पर चर्चा। 3. संकेतों के आधार पर राज्यों के नाम वर्ग-पहेली में भरना।
पाठ 2– फसलों के त्योहार (गद्य) :– आदर्श वाचन, श्रुतलेख, कठिन शब्दार्थ, प्रश्नोत्तर। **व्याकरण :–** उपसर्ग व प्रत्यय, क्रिया (अवधारणा व अभ्यास)। **निबंध :–** फसलों से जुड़े त्योहार	- अपने आस-पास घटने वाली विभि न्न घटनाओं की बारीकियों पर ध्यान देते हुए उन पर मौखिक रूप से अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हैं/प्रश्न पूछते हैं।	1. पौष्टिक आहार पर पोस्टर बनाना। 2. फसलों से जुड़े त्योहारों पर बनाये जाने वाले पकवानों की सूची बनाना। 3. पाठ में आए त्योहारों में से किसी एक त्योहार का चित्र बनाना। 4. संकेतों के आधार पर फसलों के नाम वर्ग-पहेली में भरना। ***नोट- पाठ 2– "फसलों के त्योहार (गद्यांश)" केवल पठन हेतु है, ना कि परीक्षा के लिये***
पाठ 3– खिलौनेवाला (कविता) :– सस्वर वाचन, श्रुतलेख, शब्दार्थ, प्रश्नोत्तर। **व्याकरण :-** प्रत्यय (अभ्यास), तुकांत शब्द, सर्वनाम (अवधारणा व अभ्यास)। *** ईदगाह (मौन वाचन)** *** हवाई छतरी (मौन वाचन)**	- भाषा की बारीकियों पर ध्यान देते हुए अपनी (मौखि क) भाषा गढ़ते हैं। - विविध प्रकार की सामग्री (अखबार, बाल साहि त्य, पोस्टर आदि) में आए संवेदनशील बिन्दुओं पर (मौखिक/लिखित) अभिव्यक्ति करते हैं, जैसे–'ईदगाह' कहानी पढ़ने के बाद बच्चा कहता है– मैं भी अपनी दादी की खाना बनाने में मदद करता हूँ।	1. कविता रचना। 2. पद्यांश पर आधारित प्रश्नोत्तर। 3. 'खिलौनेवाला' का भूमिका निर्वहन। 4. मेले के चित्र को देखकर भावाभिव्यक्ति। 5. कागज़ से मछली-घर बनाना।
पाठ 4– नन्हा फनकार (कहानी) :– आदर्श वाचन, श्रुतलेख, कठिन शब्दार्थ, प्रश्नोत्तर। **व्याकरण :-** भाववाचक संज्ञा (अभ्यास), विशेषण (अभ्यास), क्रिया (अभ्यास)।	- विभिन्न स्थितियों और उद्देश्यों (बुलेटिन पर लगाई जाने वाली सूचना, कार्यक्रम की रिपोर्ट, जानकारी आदि प्राप्त करने के लिए) के लि ए पढ़ते और लि खते हैं।	1. कामगार व उनके औज़ारों पर चर्चा। 2. मिट्टी के खिलौने बनाकर नक्काशी करना। 3.नक्काशी के चित्र बनाना/ संबंधित इमारतों के चित्र कॉपी में चिपकाना।
पाठ 5– जहाँ चाह वहाँ राह (लेख) :– आदर्श वाचन, श्रुतलेख, कठिन शब्दार्थ, प्रश्नोत्तर।	- अपनी पाठ्यपुस्तक से इतर सामग्री (अखबार, बाल पत्रिका, होर्डिंग्स आदि) को समझते हुए पढ़ते	1. रंगोली बनाना व उल्टे हाथों से एक पेज सुलेख लिखना। 2. शब्द-जाल में से कढ़ाई के टाँकों

व्याकरण :– वर्तनी, काल व उसके भेद (अवधारणा व अभ्यास), लिंग (अभ्यास)। *** पत्र (मौन वाचन)**	और उसके बारे में बताते हैं।	के नाम ढूँढ़ना। 3. अपठित गद्यांश। 4. बटन टाँकना । 5. अपनी इच्छा/ स्वप्न के बारे में बताते हुए मित्र/सखी को पत्र।
पाठ 6– चिट्ठी का सफ़र (लेख) :– आदर्श वाचन, श्रुतलेख, कठिन शब्दार्थ, प्रश्नोत्तर। **व्याकरण :-** वचन, विलोम, सर्वनाम (अभ्यास)। **निबंध :–** दशहरा	- सुनी अथवा पढ़ी रचनाओं (हास्य, साहसिक, सामाजिक आदि विषयों पर आधारित कहानी, कविता आदि) की विषय-वस्तु,घटनाओं,चित्रों और पात्रों, शीर्षक आदि के बारे में बातचीत करते हैं/प्रश्न पूछते हैं/अपनी स्वतंत्र टिप्पणी देते हैं/अपनी बात के लिए तर्क देते हैं/निष्कर्ष निकालते हैं।	1. विद्यार्थी मित्र को पत्र लिखकर पोस्ट करें। 2. डाक पेटी के चित्र में रंग भरना व पिन कोड लिखना। 3. संचार के साधनों के चित्र बनाना। 4. शब्दकोश में से शब्दों के अर्थ खोजना।
पाठ 7– डाकिए की कहानी, कँवर सिंह की जुबानी। (भेंटवार्ता) :– आदर्श वाचन, श्रुतलेख, कठिन शब्दार्थ, प्रश्नोत्तर। **व्याकरण :–** वचन, संख्यावाचक शब्द, उपसर्ग, वर्तनी, 'का' या 'की' का प्रयोग।	-अपरिचि त शब्दों के अर्थ शब्दकोश से खोजते हैं|	1.अपने इलाके में आने वाले डाकिए का लिखित साक्षात्कार (interview) लेना। 2.पत्र–पेटी का नमूना बनाना। 3. तालिका से उपयुक्त वाक्य बनाना।
पुनरावृति और मध्य सत्रीय परीक्षा		
द्वितीय सत्र((अक्टूबर 2019 से मार्च 2020)		
पाठ 8 – वे दिन भी क्या दिन थे (विज्ञान कथा) :– आदर्श वाचन, श्रुतलेख, कठिन शब्दार्थ, प्रश्नोत्तर। **व्याकरण :-** द्वित्व व्यंजन, अनेकार्थक शब्द (अवधारणा व अभ्यास), शब्द-युग्म, काल (अभ्यास) **निबंध :–** दीपावली	-स्वेच्छा से या शिक्षक द्वारा तय गतिविधि के अतंर्गत लेखन की प्रक्रिया की बेहतर समझ के साथ अपने लेखन को जाँचते हैं और लेखन के उद्देश्य और पाठक के अनुसार लेखन में बदलाव करते हैं, जैसे– किसी घटना की जानकारी के बारे में बताने के लिए स्कूल की भित्ति पत्रिका के लिए लिखना और किसी दोस्त को पत्र लिखना।	1. समय के अनुसार वस्तुओं के बदलते रूप पर चर्चा। 2.डायरी लेखन। 3. संचार के साधनों के नाम व चित्र। 4. शब्दों को वर्णमाला के क्रम में लिखना व शब्दकोश में से उनके अर्थ खोजना।
पाठ 9– एक माँ की बेबसी (कविता) :– सस्वर वाचन, श्रुतलेख, भावार्थ, प्रश्नोत्तर। **व्याकरण :–** उपसर्ग, मुहावरे, प्रत्यय, वर्तनी, भाववाचक संज्ञा, संज्ञा (अभ्यास), पर्यायवाची।	-भाषा की बारीकियों पर ध्यान देते हुए अपनी भाषा गढ़ते हैं और उसे अपने लेखन/ ब्रेल में शामिल करते हैं।	1. 'माँ' विषय पर स्वरचित कविता। 2. माँ की तस्वीर चिपकाना। 3. पद्यांश पर आधारित प्रश्नोत्तर। ***नोट- पाठ 9- "एक माँ की बेबसी (कविता)" केवल पठन हेतु है, ना कि परीक्षा के लिये***
पाठ 10–एक दिन की बादशाहत (कहानी) :– आदर्श वाचन, श्रुतलेख, कठिन शब्दार्थ, प्रश्नोत्तर। **व्याकरण :-** अनेकार्थक शब्द, लिंग, उपसर्ग, प्रत्यय, विशेषण (अवधारणा व अभ्यास)।	-भाषा की व्याकरणिक इकाइयों (जैसे– कारक-चिह्न, क्रिया, काल, विलोम आदि) की पहचान करते हैं और उनके प्रति सचेत रहते हुए लि खते हैं।	1. यदि आपको एक दिन के प्रधानाचार्य बना दिया जाये तो आप क्या- क्या करेंगें ? (मौखिक) 2. नाटक का मंचन व संवाद लेखन। 3. कहानी को नया शीर्षक देना।

पाठ 11– चावल की रोटियां (नाटक) :– संवाद वाचन, कठिन शब्दार्थ, प्रश्नोत्तर। व्याकरण :- क्रिया (अभ्यास), मुहावरे, वचन, कारक (अवधारणा व अभ्यास)।	-विभिन्न उद्देश्यों के लिए लिखते हुए अपने लेखन में विराम-चिह्नों , जैसे– पूर्ण विराम, अल्प विराम, प्रश्नवाचक चिह्न, उद्धरण चिह्न का सचेत इस्तेमाल करते हैं।	1. भूलभुलैया में रास्ता खोजना। 2. शब्दों को वर्णमाला के क्रमानुसार लिखना। 3. संवाद लेखन। 4. चावल से बने पकवानों पर चर्चा। ***नोट- पाठ 11- "चावल की रोटियां(नाटक)" केवल पठन हेतु है, ना कि परीक्षा के लिये***
पाठ 12– गुरु और चेला (कविता) :– सस्वर वाचन, कठिन शब्दार्थ, प्रश्नोत्तर। **व्याकरण :–** विलोम शब्द, विशेषण (अभ्यास), वर्ण-विच्छेद।	-स्तरानुसार अन्य विषयों, व्यवसायों, कलाओं आदि (जैसे– गणित, विज्ञान, सामाजिक अध्ययन, नृत्यकला, चिकित्सा आदि) में प्रयुक्त होने वाली शब्दावली को समझते हैं और संदर्भ एवं स्थिति के अनुसार उनका लेखन में इस्तेमाल करते हैं।	1. शब्दों को वर्णमाला के क्रमानुसार लिखना व उनके अर्थ खोजना। 2. विभिन्न देशों की मुद्राओं पर चर्चा। 3. कविता/ कहानी को आगे बढ़ाना।
पाठ 13– स्वामी की दादी (कहानी) :– आदर्श वाचन, श्रुतलेख, कठिन शब्दार्थ, प्रश्नोत्तर। **व्याकरण** :- विशेषण (अभ्यास), लिंग बदलो, प्रत्यय। *** कार्टून (मौन वाचन)**	- अपने आस-पास घटने वाली विभि न्न घटनाओं की बारीकियों पर ध्यान देते हुए उन पर मौखिक रूप से अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हैं/प्रश्न पूछते हैं।	1. दादी के बक्से का चित्र बनाना। 2. वर्ग-पहेली में से विशेषण शब्द खोजना। 3. कहानी आगे बढ़ाना।
पाठ 14– बाघ आया उस रात (कविता) :– सस्वर वाचन, श्रुतलेख, कठिन शब्दार्थ, प्रश्नोत्तर। **व्याकरण :–** पर्यायवाची, मुहावरे। **अनुच्छेद** :- बाघ बचाओ। **पत्र :–** अपनी गली की सफाई हेतु मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी को पत्र। *** एशियाई शहर के लिए मीठी गोलियाँ (मौन वाचन)**	- उद्देश्य और संदर्भ के अनुसार शब्दों, वाक्यों, विराम-चिह्नों का उचित प्रयोग करते हुए लिखते हैं।	1. वन्य जीव अभ्यारण्यों(भारत के) की सूची बनायें। 2. वाक्यों में छिपे हुए जानवरों के नाम खोजना। 3. पद्यांश पर आधारित प्रश्नोत्तर। 4. समाचार लेखन। 5. बाघ के जीवन से संबंधित जानकारी लिखित/चित्रात्मक रूप में दर्शाना। 6. शेर व बाघ का मुखौटा बनाना।
पाठ 15– बिशन की दिलेरी (कहानी) :–आदर्श वाचन, श्रुतलेख, शब्दार्थ, प्रश्नोत्तर। **व्याकरण** :-वर्तनी, अनुस्वार, अनुनासिक, विशेषण, काल के भेद (अभ्यास), सर्वनाम व उसके भेद (अभ्यास)। *** रात भर बिलखते-चिंघाड़ते रहे (मौन वाचन)**	-पाठ्यपुस्तक और उससे इतर सामग्री में आए संवेदनशील बिन्दुओं पर लिखित/ब्रेल लिपि में अभिव्यक्ति करते हैं।	1. विभिन्न प्रकार के पक्षियों का चित्र चिपकाना। 2.प्राथमिक चिकित्सा पेटी बनाना। 3. वन्य जीव अभ्यारण्यों पर आधारित प्रश्नावली के उत्तर देना।
पाठ 16– पानी रे पानी (लेख) :– आदर्श वाचन, श्रुतलेख, शब्दार्थ, प्रश्नोत्तर। **व्याकरण :–** वाक्यांशों के लिए एक शब्द, मुहावरे। **पत्र :–** विद्यालय छोड़ने का प्रमाण पत्र लेने हेतु प्रधानाचार्य को प्रार्थना-पत्र।	-अपनी कल्पना से कहानी, कविता, पत्र आदि लिखते हैं। कविता,कहानी को आगे बढ़ाते हुए लिखते हैं।	1. जल-चक्र का चित्र। 2. बाढ़ व अकाल पर चर्चा। 3. पानी बचाओ विषय पर पोस्टर व नारे बनाना। 4. नदी के सफ़र को चित्र द्वारा दर्शाना।

*** नदी का सफ़र (मौन वाचन)**		
पाठ 17– छोटी सी हमारी नदी (कविता) :– सस्वर वाचन, भावार्थ। **व्याकरण :–** संज्ञा व सर्वनाम (अभ्यास), वर्तनी, 'रु' व 'रू' के शब्दों का अभ्यास, तुकांत शब्द। **निबंध :–** गणतंत्र दिवस *** जोड़ासांकों वाला घर (मौन वाचन)**	- उद्देश्य और संदर्भ के अनुसार शब्दों, वाक्यों, विराम-चिह्नों का उचित प्रयोग करते हुए लिखते हैं।	1. भारतीय नदियों को मानचित्र पर दिखाना। 2. भारतीय कैलेंडर के महीनों के नाम। 3. पद्यांश पर आधारित प्रश्नोत्तर। 4. राष्ट्रीय झंडे में रंग भरना व राष्ट्र-गान का शुद्ध उच्चारण सीखना। ***नोट- पाठ 17- "छोटी सी हमारी नदी (कविता)" केवल पठन हेतु है, ना कि परीक्षा के लिये***
पाठ 18–चुनौती हिमालय की (यात्रा वर्णन) :– आदर्श वाचन, शब्दार्थ, प्रश्नोत्तर। **व्याकरण :–** पर्यायवाची, उपसर्ग, कारक, वर्तनी, 'र्' के सही रूप का प्रयोग, विलोम शब्द। **निबंध :–** होली। *** हम क्या उगाते हैं (मौन वाचन)**	- भाषा की बारीकियों पर ध्यान देते हुए अपनी भाषा गढ़ते हैं और उसे अपने लेखन/ ब्रेल में शामिल करते हैं।	1. हिमालय पर्वत श्रृंखला को मानचित्र पर दिखाना| 2. पर्वतों के चित्र से कोलाज़ बनाना। 3. यात्रा-वर्णन। 4. पेड़ से मिलने वाली चीज़ों की सूची बनाना| 5. 'पेड़ बचाओ' विषय पर पोस्टर व नारे बनाना|
पठित और अपठित गद्यांष एवं पद्यांष का अभ्यास। नोट :– व्याकरण की अवधारणाओं को उदाहरणों द्वारा समझााने का प्रयास अपेक्षित है, न कि परिभाषाएँ रटवाने का।		
पुनरावृति और वार्षिक परीक्षा		